

बहु विकल्पीय प्रश्न

10

1. लाभ-हानि नियोजन खाता बनाना अनिवार्य है—
  1. एकल व्यापारी द्वारा
  2. साझेदारी फर्म द्वारा.
  3. कम्पनी द्वारा
  4. सहकारी समितियों द्वारा
2. ऋणपत्रों का शोधन होता है—
  1. नकदी में
  2. नवीन ऋण-पत्रों के निर्गमन द्वारा
  3. समता अंशों के निर्गमन
  4. इनमें से सभी द्वारा
3. साझेदारी में लाभ-हानि का बंटवारा किया जाना चाहिये—
  1. पूँजी के अनुपात में
  2. बराबर-बराबर
  3. साझेदारी संलेख के अनुसार
  4. इनमें से कोई नहीं।
4. प्रावधान है एक—
  1. सामान्य संचय
  2. विशिष्ट संचय
  3. पूँजीगत संचय
  4. सम्पत्ति
5. साझेदारी फर्म के विघटन की दशा में सर्वप्रथम खाता कौन-सा बनाया है?
  1. पुर्नमूल्यांकन .
  2. बैंक खाता
  3. लाभ-हानि नियोजन खाता
  4. वसूली खाता
6. निम्नलिखित में से सामान्यतः कौन आय व व्यय खाता तैयार करते/करती है?
  1. व्यापारिक संस्थान
  2. निर्माणी फर्म
  3. शिक्षण संस्थायें
  4. संयुक्त स्कन्ध कम्पनियां
7. एक क्लब के दिन प्रतिदिन के नकद लेन-देनों को दर्ज किया जाता है—
  1. प्राप्ति व भुगतान खाते में,
  2. आय व व्यय खाते में
  3. रोकड़ बही में
  4. इनमें से कोई नहीं।
8. ह्रास लगाये जाने का कारण है—
  1. मूल्य में कमी,
  2. मुद्रास्फीति
  3. टूटफूट
  4. ये सभी।
9. गैर व्यापारिक संस्थाओं की आयगत प्राप्तियां व आयगत भुगतान

दिखाये जाते हैं-

1. लाभ-हानि खाते में  
2. आय-व्यय खाता में  
3. प्राप्य खाते में  
4. प्राप्ति व मुगतान खाते में,

10. अमन और अमोल 2:1 के अनुपात में साझेदार हैं वे अतुल को 1/4 अंश के लिये प्रवेश देते हैं जो अपने अंश की ख्याति के लिये 60000 रु अंशदान करता है। फर्म की ख्याति का कुल मूल्य है-

1. 140000 रु  
2. 160000 रु  
3. 200000 रु  
4. 240000 रु

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

20

11. अनुपात-विश्लेषण से क्या अभिप्राय है?  
12. शोध्य व अशोध्य ऋण पत्र का क्या अर्थ है?  
13. ख्याति को परिभाषित कीजिये।  
14. अंश व ऋणपत्र में क्या अंतर है?  
15. साझेदारी फर्म के समापन की किन्हीं दो दशाओं का उल्लेख करें।  
16. कार्यशील पूँजी क्या है?  
17. आय-व्यय खाता किसे कहते हैं?  
18. हस्ताक्षर वाक्य का क्या अर्थ है?  
19. क्रय आदेश क्या है?  
20. ब्याज सहित विनियोग के क्रय का क्या अर्थ है?

लघु उत्तरीय प्रश्न

30

21. सरकारी प्रतिभूतियों से आप क्या समझते हैं?  
22. आगम-निगम शोधन खाता तथा आय-व्यय खाता में अन्तर बताइये।  
23. साझेदारी की परिभाषा दीजिये। इसकी विशेषतायें बताइये।  
24. पूर्वाधिकार अंशों का परिशासन किस प्रकार किया जाता है?  
25. ह्रास काटन की दो विधियों का वर्णन करो।  
26. लागत अकक्षण क्या है?

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

40

27. विनियोगों के क्रय-विक्रय पर ब्याज सहित व ब्याज रहित का क्या तात्पर्य है? उदाहरण देकर स्पष्ट करो।

अथवा

एक्स वाई कम्पनी अपने खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द करती है। इसने

1 जुलाई, 2003 को 90,000 रु मूल्य की एक मशीन क्रय की।

इसने एक अन्य मशीन 1 जनवरी, 2004 को 60,000 रु मूल्य तथा 1 अक्टूबर, 2004 को 30,000 रु मूल्य की मशीन क्रय की। 1 अप्रैल, 2005 को 1/3 मशीन, जो 1 जुलाई, 2003 को लगाई गई थी, खराब होने के कारण बेच दी गई।

कम्पनी की पुस्तकों में 31 मार्च, 2006 को समाप्त होने वाले विगत तीन वर्षों का मशीनरी खाता बनाइये। मशीन 'सीधी रेखा पद्धति' द्वारा 10 प्रतिशत वार्षिक को दर से हासिल की जाती हैं।

28. पूर्वाधिकार अंश कितने प्रकार के होते हैं संक्षेप में वर्णन करें।

अथवा

शोमा लिमिटेड ने 20,000 अंश, 10 रु प्रति अंश की दर से निर्गमित किये। इन पर 5 रु आवेदन तथा आबंटन पर, 3 रु प्रथम याचना पर तथा 2 रु अन्तिम याचना पर देय हैं 200 अंश के एक अंशधारी ने अन्तिम याचना प्राप्त नहीं हुई बाकि सभी राशियां यथासंभव प्राप्त हो गईं। आवश्यक जर्नल लेखे कीजिये। <https://www.upboardonline.com>

29. 'गार्नर बनाम मर्रे' वाद में दिये गये निर्णय की विवेचना कीजिये। क्या गार्नर बनाम मर्रे का सिद्धान्त भारत में लागू होता है?

अथवा

लागत लेखांकन का क्या अर्थ है? इसकी विभिन्न पद्धतियों की विवेचना करो।

30. विवेक और शंकर जो आपस में लाम हानि 3:1 के अनुपात में बाँटते हैं। उनका चिट्ठा निम्नांकित था—

दायित्व	राशि रु०	सम्पत्तिया	राशि रु०
लेनदार	75000	रोकड़	44000
सामान्य संघय	8000	प्राप्य बिल	7000
पूँजी—		देनदार	32000
विवेक 60000		स्टॉक	40000
शंकर 32000	92000	कार्यालय फर्नीचर	2000
		मबन	50000
	175000		175000

निम्नलिखित शर्तों पर रमन को फर्म के लाम में 1/5 भाग हिस्सा लेने के लिये सहमत हुये—

1. रमन 20,000 रु अपनी पूँजी के रूप में लायेगा।

2. स्टॉक तथा फर्नीचर का मूल्य क्रमशः 10 व 5 प्रतिशत से घटा दिया जाये।
3. फर्म की ख्याति का मूल्यांकन 40,000 रु किया जाये। नई फर्म में ख्याति अपभ्रंशित कर दी जाये।
4. सभी साझेदारों की पूँजी उनके लाभ-हानि विभाजन के अनुपात में समायोजित की जाये।  
नये फर्म की पुस्तकों में साझेदारों का पूँजी खाता तथा लाभ-हानि समायोजन खाता तैयार करो।

अथवा

कम्पनी के निम्नांकित तलपट से 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिये लाभ-हानि खाता बनाइये-

अन्य सूचनाये निम्नांकित था-

1. 31 मार्च, 2014 को अन्तिम रहतिया रु 1,60,000 का था।
2. देनदारों पर 5 प्रतिशत की दर से अशोध्य व सदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान कीजिये।
3. यंत्रों पर 10 प्रतिशत की दर से ह्रास काटिये।
4. वेतन रु 3000 अदत्त था।
5. किराया रु 2000 पूर्वदत्त था।

तलपट			
डेबिट शेष	रूपये	क्रेडिट शेष	रूपये
क्रय	460000	अंश पूँजी	300000
रहतिया	120000	विक्रय	560000
मजदूरी	80000	अपहार	8000
अपहार	12000	ब्याज	9000
वेतन	15000	सचिती	28000
किराया	8000	विविध देनदार	36000
सामान्य व्यय	18000		
देनदार	45000		
अशोध्य ऋण	3000		
यंत्र	1,70,000		
रोकड	10,000		
	9,41,000		9,41,000